कोटद्वार, रविवार
3 दिसम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 214 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने मोदी से की मुलाकात

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर उन्हें आठ व नौ दिसंबर को हो रहे वैश्विक निवेशक सम्मेलन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। साथ में राज्य के बहुमुखी विकास से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता की मांग भी की। सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के बचाव अभियान की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं आवश्यक संसाधन व मानवीय सहायता उपलब्ध कराने से ही अभियान सफल हो सका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अभियान से जुड़े व्यक्तियों, श्रमिकों और उनके स्वजन का भी मनोबल बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

उत्तरकाशी टनल हादसे के भूगर्भीय वजहों की विस्तृत जांच कराएगी धामी सरकार

देहरादून। उत्तरकाशी टनल हादसे के बाद उत्तराखंड सरकार ऐक्शन लेने जारी है। सिलक्यारा टनल हादसे के भूगर्भीय वजहों की सीएम पुष्कर सिंह धामी सरकार विस्तृत जांच कराएगी। सरकार ने इस हादसे की जांच के लिए गठित आठ सदस्यीस कमेटी की प्राथमिक जांच रिपोर्ट को लौटाते हुए विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं। शुकवार को संपर्क करने पर आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव डॉ.रंजीत कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कमेटी ने प्रारंभिक जांच करने के बाद एक संक्षिप्त रिपोर्ट दी है। लेकिन उससे इस हादसे पर वस्तुस्थिति पूरी तरह से साफ नहीं हो पाई है। इसलिए कमेटी को पूरे क्षेत्र के आंकलन और रेस्क्यू आपरेशन तक की सभी गतिविधियां की बारीकी से जांच करने को कहा गया है। टनल हादसे के दिन ही 12 नवंबर को सिन्हा ने भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इस कमेटी को टनल हादसे के कारण और घटना स्थल की भूगर्भीय स्थिति का आंकलन करना है। साथ ही भविष्य के लिए सुरक्षात्मक सुझाव भी देने हैं।मालूम हो कि टनल निर्माण शुरू होने से पहले भी इस क्षेत्र की भूगर्भीय सर्वेक्षण का दावा किया गया था। भूवैज्ञानिकों की हरी झंडी के बाद ही यहां टनल निर्माण काम शुरू किया गया। लेकिन जिस प्रकार टनल में भूस्खलन हुआ, उसने टनल निर्माण से पूर्व किए सभी सर्वेक्षणों पर भी सवाल उठा दिए हैं।

किरू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में कथित भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई की कार्रवाई

नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के किरू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में कथित भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई चार शहरों में छह जगहों पर तलाशी अभियान चला रही है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि सीबीआई तलाशी अभियान दिल्ली, नोएडा, चंडीगढ़ और शिमला में दो व्यक्तियों के परिसरों पर कर रही है, जिसमें मेनस्ट्रीम आईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के कंवलजीत सिंह दुग्गल और डीपी सिंह के परिसर भी शामिल हैं।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

सीबीआई के अधिकारियों के मुताबिक, अभियान के दौरान दिल्ली में कंपनी और शिमला, नोएडा और चंडीगढ़ में दुग्गल के तीन परिसरों की तलाशी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पिछले साल 21 अप्रैल और 6 जुलाई और इस साल 17 मई को इसी तरह की कार्रवाई कर चुकी है।

सत्यपाल मलिक ने लगाया था भ्रष्टाचार का आरोप

मालूम हो कि जम्मू–कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने अपने कार्यकाल के दौरान आरोप लगाया था कि उन्हें किश्तवाड़ में हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट से

संबंधित दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने क्या कहा था?

मालूम हो कि जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने राजस्थान में एक समारोह में आरोप लगाया था कि उन्हें जम्मू कश्मीर में एक बिजली परियोजना व सरकारी कर्मियों की स्वास्थ्य बीमा योजना से संबंधित दो फाइलों की मंजूरी के लिए 150–150 करोड़ की रिश्वत की पेशकश हुई थी। एक फाइल अंबानी से जुड़ी थी और दूसरी बड़े नेता से।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
"Journey Towards Excellence"
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
17 Years of Excellence in Education ESTD. 2006
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM
(CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
RAMADA · COUNTRY · COURTYARD · SAYAJI · PRIDE · TAJ · Marriott
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

जाति छोड़कर हिंदुत्व के लिए आना होगा आगे : महाराज

श्री सिद्धबली वार्षिक अनुष्ठान महोत्सव के दूसरे दिन का शुभारंभ करते महाराज राज राजेश्वरानंद महाराज व अन्य

कार्यक्रम के दौरान गब्बर सिंह नेगी को सम्मनित करते महाराज व समिति के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्वामी राज राजेश्वरानंद महाराज ने कहा कि आज कई नेता हमें जातियों में बांटने का काम कर रहे हैं। लेकिन, हमें जाति छोड़कर हिंदुत्व के हित में आगे आना होगा। कहा कि सनातन को मिटाने के लाख प्रयास किए गए। लेकिन, कोई भी हमारे धर्म का बाल भी बांका नहीं कर पाया।

श्री सिद्धबली वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन का शुभारंभ राज राजेश्वरानंद महाराज, ललितानंद महाराज, सांसद तीरथ सिंह रावत, महंत दिलीप रावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। महाराज राज राजेश्वरानंद महाराज ने दुनिया में सनातन से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

श्री सिद्धबली बाबा मंदिर में दर्शन को उमड़ी भीड़

सनातन समाज को तोड़ता नहीं बल्कि जोड़ता है। जो लोग राम मंदिर के विवादित ढांचे को तोड़ने की बात कह रहे हैं उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि हमने वहां कुछ तोड़ा नहीं है। बल्कि हमारे मंदिर का ढांचा पुराना हो गया था। जिसे नया बनाने के लिए हमने उस ढांचे को गिराया। कहा कि बिना भाग्य भगवान की कृपा नहीं होती। इसलिए हमें अपने उज्जवल भग्य के लिए सत्कर्म करना चाहिए। कहा कि आक्रांताओं ने हमारे मंदिरों को नष्ट कर दिया था। लेकिन, वह हमारे धर्म का बाल भी बांका नहीं कर पाते। कहा कि आज नेता देश को जातियों के नाम पर बांट रहे हैं।

हमें जाति पर न जाते हुए हिंदुत्व की बात करनी चाहिए। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष डा. जेपी ध्यानी, संरक्षक अनिल कंसल, महासचिव उमेश त्रिपाठी, सुमन कोटनाला, विवेक अग्रवाल, प्रमोद रावत आदि मौजूद रहे।

समिति ने गब्बर सिंह को किया सम्मानित

उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल में फंसे बिशनपुर निवासी गब्बर सिंह नेगी को श्री सिद्धबली मंदिर समिति की ओर से सम्मानित किया गया। राज राजेश्वरानंद महाराज, ललितानंद महाराज व महंत दिलीप रावत ने गब्बर सिंह को बाबा श्री सिद्धबली की प्रतिमा दी।

बाबा के दर्शन को उमड़ी भीड़

महोत्सव के दौरान मंदिर में श्री सिद्धबली बाबा के दर्शन को श्रद्धलुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। श्रद्धलुओं ने घंटो खड़े रहकर बाबा के दर्शन किए। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धलुओं ने बाबा सिद्धबली से अपने परिवार व देश के लिए सुख-शांति की कामना की।

अधिवक्ताओं ने किया एसडीएम कोर्ट का बहिष्कार

पौड़ी : जिला अधिवक्ता संघ पौड़ी ने एसडीएम पौड़ी पर अशोभनीय व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया है। संघ का आरोप है कि एसडीएम ने अधिवक्ताओं को अपने कोर्ट से बाहर जाने का फरमान दिया। संघ ने कहा है कि एसडीएम का तबादला जिले से बाहर हो गया

बूंखाल मंदिर को भव्य रूप में विकसित किया जायेगा: डॉ. रावत

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शनिवार को विकासखण्ड खिर्सू के अंतर्गत बूंखाल मेले में प्रतिभाग करते हुए कालिंका देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की व क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि यह मेला काफी वर्षों से हर साल भव्य रूप में मनाया जाता है और इन्हें संरक्षित करना हमारा ध्येय है।

कैबिनेट मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बूंखाल कालिंका देवी मंदिर को भव्य रूप में विकसित किया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मंदिर में जाने वाले पैदल मार्ग को डबल पैदल मार्ग बनाया जायेगा, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आने-जाने में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को ठहरने के लिए धर्मशाला व शौचालय का निर्माण भी किया जायेगा। इस दौरान उन्होंने चोपड़ा नलई मोटर मार्ग के मध्य बूंखाल में पार्किंग व सड़क चौड़ीकरण कार्य का लोकपर्ण किया।

मेले में मंत्री ने भंडारे का आयोजन कर भक्तजनों को प्रसाद का वितरण भी किया। मेले में सुरक्षा की दृष्टिगत रखते हुए पुलिस प्रशासन, आपदा प्रबंधन, राजस्व विभाग द्वारा पुख्ता इंतजाम किये थे। बुंखाल कालिंका मेला में जागर सम्राट पद्मश्री प्रीतम भरतवाण ने जागरों व सीमा पंगरियाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, सीओ पुलिस श्याम दत्त नौटियाल, तहसीलदार हरीश जोशी, मंदिर समिति के अध्यक्ष कमल सिंह रावत, सचिव विनोद गोदियाल, पुजारी रमेश चंद्र गौदियाल सहित आम जनमानस उपस्थित थे।

कंप्यूटर इंजीनियर बनने के लिए अब इंटर में गणित जरूरी नहीं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटैलिटी मैनजमैंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के तहत बलूनी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने संस्थान का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान छात्रों को करियर काउंसलिंग देकर रोजगार के लिए विभिन्न कोर्स की जानकारी दी गई। जिसमें बताया गया कि कंप्यूटर इंजीनियर बनने के लिए अब इंटरमीडिएट में गणित की जरुरत नहीं है।

शुक्रवार को बलभद्रपुर बीईएल रोड स्थित संस्थान में पहुंचे कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को संस्थान के जन संपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल ने बैचलर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (बीबीए), बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए), बैचलर इन कंप्यूटर साइंस एंड इनफॉरमेशन टैक्नालॉजी (बीएससी-आईटी), बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट (बीएचएम) और सीएचएम कोर्स की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले कंप्यूटर इंजीनियर बनने के लिए इंटरमीडिएट में गणित होनी जरुरी थी, लेकिन नई शिक्षा नीति के अनुसार अब श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय से शिक्षा ले रहे छात्रों को हाईस्कूल में गणित के आधार पर कंप्यूटर साइंस पढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। जिससे कई छात्रों के आईटी क्षेत्र में जाने के रास्ते खुल गए हैं। इस अवसर पर होटल मैनेजमेंट विभाग के प्राध्यापक टेकचंद कुंवर ने पांच सितारा होटल में बनाए जाने वाले सूप और सैंडविच बनाना सिखाया। प्रध्यापक अनुज नेगी और गुरदीप सिंह ने छात्राओं को मॉकटेल बनाने की विधि बताई। संस्थान की कर्मी मोनिका वेदवाल और फरहद जहां ने छात्राओं को संस्थान का भ्रमण कराया।

इस अवसर पर संस्थान के ईडी अजयराज नेगी ने कहा कि युवाओं को 12वीं की परीक्षा पास करने के बाद आगे रोजगार करने के लिए कोर्स की जानकारी नहीं होती है। ऐसे में वे जानकारी के आभाव में नौकरी के लिए भटकते रहते हैं।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SGC025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

शुद्धि–पत्र

विद्युत वितरण खण्ड नैनीडांडा द्वारा पत्रांक 745/विविखनै/टी–6 के द्वारा अमर उजाला व दैनिक जागरण में दि0 18.11.2023 के अंक में निविदा संख्या 10/2023–24 में [illegible] के अन्तर्गत [illegible] लिफ्ट सिंचाई योजना के स्थान पर डांगूतल्ला लिफ्ट सिंचाई योजना पढ़ा व समझा जाये। अन्य शर्तें पूर्ववत हैं।

पत्रांक : [illegible]/विविखनै/टी–6 दिनांक : 01.12.2023 अधिशासी अभियन्ता।

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

निविदा सूचना

टेंडर नं. Dy.CE/GSU/MB/Publication/23 दिनांक 02.12.2023

[illegible] www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या	14-GSU-MB-2023-24
कार्य का नाम	Appointment of project supervision service agency (PSSA) for providing services for various projects under Gati Shakti Unit at Moradabad Division of Northern Railway.
टेंडर क्लोसिंग दिनांक	08.01.2024
टेंडर क्लोसिंग समय	15:30
अनुमानित लागत	4,80,62,987.94
धरोहर राशि	3,90,400.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	25.12.2023

3794/23

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडेन्टिटी संख्या : U40109UP2001SGC025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु [illegible] दिनांक 20.12.2023 के 13.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 16.00 बजे [illegible] सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से दिनांक 19.12.2023 को 13.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। [illegible] अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जीएसटी अतिरिक्त)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रु0)
18/2023–24	रू0 1000/–	विद्युत खण्ड कोटद्वार के अन्तर्गत पम्पिंग पेयजल योजना में विद्युत संयोजन निर्गत करने हेतु कार्य।	45000.00

पत्रांक : 3622/विविखको/टी–6 दिनांक : 01.12.2023
अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

विधायक ने अफसर को लगाई फटकार, वीडियों वायरल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भाजपा विधायक दिलीप रावत का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। जिसमें वह परिवहन विभाग के अफसर को फटकार लगाते हुए नजर आ रहे हैं।

विधायक ने मामले में सफाई देते हुए कहा कि अफसर सिद्धबली मंदिर की झांकियों के वाहनों को रोक रहा था। जबकि, कुछ दिन पूर्व जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्वयं मेले में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए थे।

वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि भाजपा विधायक दिलीप रावत अपनी गाड़ी से उतरकर सीधे अधिकारी के पास पहुंचते हैं। यहां पर कई अन्य लोग भी मौजूद हैं। इनके सामने ही विधायक अफसर को फटकार लगाते हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा विधायक ने कहा कि हमारे यहां कोटद्वार में सिद्धबली का मेला चल रहा है और इसमें लाखों श्रद्धालु आते हैं।

कौड़िया चैक पोस्ट के समीप अधिकारी को फटकार लगते विधायक दिलीप रावत

उनका कहना है कि उक्त अधिकारी सुबह से लोगों से अवैध वसूली करने लगे। साथ ही एक व्यक्तिगत आदमी के साथ वह अवैध वसूली कर रहे थे। मंदिर समिति के लोगों ने और स्वयं सेवकों ने जब इस पर आपत्ति जताई तो अधिकारी उनके साथ अभद्रता करने लगे। इसके बाद लोगों ने मुझसे इसकी शिकायत की तो अफसर मुझसे भी अभद्रता करने लगा।

विद्यार्थियों ने किया रक्तदान, बताया महत्व

कोटद्वार : डा. पीतांबर दत्त बड़थ्वाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय व एचडीएफसी बैंक के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर जानकी पंवार तथा आर्य समाज मंदिर के प्रधान राजेंद्र ग्रोवर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कोटद्वार में रक्तदान करते विद्यार्थी व अन्य

इस अवसर पर रक्तदान हेतु उपस्थित हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवियों व अन्य रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर जानकी पंवार ने कहा कि रक्तदान करने से दिल की सेहत में सुधार व अन्य बीमारियों का खतरा कम हो जाता है साथ ही आयरन की अतिरिक्त मात्रा भी नियंत्रित हो जाती है। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरिता चौहान ने कहा कि कई बार मरीजों के शरीर में खून की मात्रा कम हो जाती है तो उन्हें किसी अन्य व्यक्ति से रक्त लेने की आवश्यकता पड़ जाती है ऐसी आकस्मिक स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए जनमानस को रक्तदान हेतु आगे आना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रोशनी असवाल ने कहा कि रक्तदान से अन्य रोगियों को जीवन दान दिया जा सकता है। वर्तमान समय में टेक्नोलॉजी की मदद से प्लेटलेट्स, प्लाज्मा, आर.बी.सी. आदि अलग करके यथास्थिति में जरूरतमंद लोगों को रक्त मुहैया कराया जा सकता है। शिविर में 30 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर समाज सेवी दलजीत सिंह, एचडीएफसी बैंक के शाखा प्रबंधक प्रशांत वर्मा, सौरभ रमोला, वीरेंद्र सिंह सैनी, मुकेश कंडारी, कुलदीप सिंह रावत व जितेंद्र डबराल सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवी उपस्थित रहे।

सिद्धबली वार्षिकोत्सव का दूसरा दिनः हेमा नेगी करासी के जागरों पर झूमे श्रद्धालु

कोटद्वार में चल रहे तीन दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा महोत्सव के दूसरे दिन भजनों की प्रस्तुति देती हेमा करासी

कोटद्वार में चल रहे तीन-दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा महोत्सव के दूसरे दिन जागर के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार

गढ़वाली भजन संध्या में उमड़ा जनसमूह

मेले के दौरान मंदिर को जाने वाले मार्ग पर उमड़ी भीड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री सिद्धबली बाबा वार्षिकोत्सव अनुष्ठान महोत्सव के दूसरे दिन सिद्धबली मंदिर परिसर में लोकगायिका हेमा नेगी करासी व साथियों की प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। भजनों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हुए थे।

शनिवार को भजन संध्या का शुभारंभ 'माता नंदा की प्रस्तुति' से हुई। इसके बाद लोकगायिका हेमा नेगी करासी के भजनों का ऐसा जादू चढ़ा कि श्रोता मदमस्त हो अपने स्थान पर नाचने लगे। उन्होंने 'प्रथमे इंद्र को ध्यान जाग...', 'मेरी भग्यानी बो...', 'बामणी रे बामणी...' 'खोल दें माता खोल भवानी..' सहित अन्य भजनों की प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया। महोत्सव के दूसरे दिन मंदिर में भारी तादाद में मेले में श्रद्धालु उमड़े। मंदिर परिसर को जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए मंदिर समिति व पुलिस को पसीना बहाना पड़ा। मंदिर की ओर चार पहिया वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद की गई थी। मेले के दौरान चल रहे विशाल भंडारे में भी बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

सजी रही दुकानें

मेले में उमड़ने वाली भीड़ से दो पैसे कमाने की आस में छोटे व्यापारी अपनी छोटी-छोटी दुकानें सजाए बैठे हैं। मुख्य बाजार के साथ ही गिवईं स्रोत से लेकर वन विभाग, सिद्धबली पुल व सनेह रोड के दोनों ओर विभिन्न तरह की दुकानें सजाई गई हैं। खिलौने, फास्टफूड से लेकर मिठाई व खाने की छोटी दुकानें मेले की रंगत बढ़ा रही हैं।

पुल एप्रोच डामरीकरण को किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शिकायत के बाद भी गाड़ीघाट पुल की एप्रोच का डामरीकरण नहीं होने पर संयुक्त समाज सेवी संगठन ने रोष व्यक्त किया है। सदस्यों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जल्द एप्रोच मरम्मत की मांग उठाई।

शनिवार को संगठन के सदस्य गाड़ीघाट पुल के समीप एकत्रित हुए। संगठन के अध्यक्ष मोहन सिंह रावत, सचिव महानंद ध्यानी ने कहा कि गाड़ीघाट के पुल की एप्रोच रोड आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई थी। आपदा के कई माह बीत जाने के बाद भी एप्रोच रोड की मरम्मत नहीं करवाई गई, जिससे क्षेत्रवासियों को आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व में शिकायत के बाद भी अधिकारी-कर्मचारी लापरवाह बने हुए हैं। दोपहिया वाहन चालकों को हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। इस मौके पर रतन सिंह नेगी, प्रदीन बलूनी, जय प्रकाश डंगवाल, हरेंद्र रौतेला, कैलाश कक्तवान, बाचस्पति बहुखंडी, सतीश नेगी, कुलवंत पुंडीर, पपेंद्र सिंह, नंदन सिंह आदि मौजूद रहे।

एप्रोच डामरीकरण के लिए प्रदर्शन करते संगठन के सदस्य

विहिप नेता संजय थपलियाल का निधन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विश्व हिंदू परिषद के नेता मानुपर निवासी संजय थपलियाल का शनिवार सुबह हृदय गति रुकने से निधन हो गया। शनिवार सुबह अचानक संजय थपलियाल (44 वर्ष) के सीने में दर्द होने लगा। जसके बाद स्वजन निजी वाहन से उन्हें अस्पताल लेकर आ रहे थे। लेकिन, अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। संजय थपलियाल की एक बेटी व बेटा है। उनका अंतिम संस्कार मुक्ति धाम में किया गया। वह लंबे समय से विश्व हिंदू परिषद से जुड़े हुए थे। कुछ समय तक वह परिषद के धर्मप्रसार जिला महमंत्री के पद पर भी रहे। संजय थपलियाल लगातार सामाजिक क्षेत्र से भी जुड़े रहे।

फाइल फोटो :संजय थपलियाल

रेप के दोषी को हुई बीस साल की सजा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विशेष सत्र न्यायाधीश अजय चौधरी की अदालत ने एक नाबालिग के साथ रेप करने वाले अभियुक्त को दोषी मानते हुए आईपीसी व पोक्सो एक्ट के तहत 20-20 वर्ष के कारावास की सजा व दो-दो लाख का अर्थदंड लगाया है। अभियुक्त द्वारा जुर्माना की राशि जमा करने पर वह राशि प्रतिकर के रूप में पीड़िता को अदा की जाएगी। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल 9 गवाह पेश किए गए। मामला कोटद्वार तहसील क्षेत्र का है। सभी सजाए एक साथ चलेंगी।

विशेष लोक अभियोजक विजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 17 अक्तूबर 2021 को पीड़िता के पिता ने राजस्व पुलिस को तहरीर दी कि तीन अभियुक्तों ने उनकी नाबालिग बेटी के साथ रेप किया। नाबालिग का पेट फूलने पर परिजन उसे चिकित्सक के पास ले गए थे। जहां मामले का पता चला। पीड़िता के पिता ने बताया कि घटना 2021 की है। मामले में राजस्व पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। बाद में मामला रेगुलर पुलिस को स्थांतरित हुआ। विवेचना पूर्ण होने पर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किए गए। केस के दौरान नाबालिग ने एक शिशु को जन्म दिया। जिसका डीएनए परीक्षण के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया तो एक अभियुक्त का डीएनए पीड़िता द्वारा जन्मे बच्चे के साथ मिल गया। मामले में दो अन्य अभियुक्त के विरुद्ध अपने साथ रेप न किए जाने का कथन पीड़िता द्वारा कोर्ट में दिया गया। जिस पर कोर्ट द्वारा पीड़िता के पक्षद्रोही होने पर इन दोनों अभियुक्तों को इस मामले में दोषमुक्त किया गया। बताया कि जुर्माना न अदा करने पर अभियुक्त को 2-2 साल का अतिरिक्त कारावास भोगना होगा।

केसीसी आवेदन के लिए किसानों को जागरूक करें : सीडीओ

प्रतिदिन केसीसी आवेदनों की रिपोर्ट प्रस्तुत करें सहकारिता विभाग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय ने विकास भवन सभागार में घर-घर केसीसी अभियान के तहत संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कृषि, उद्यान, पशु, मत्स्य, ब्लाक स्तरीय अधिकारी व बैंक अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

प्रोजेक्ट की प्रकार	निवेश	टर्नओवर
सूक्ष्म	1 करोड़ तक	5 करोड़ तक
लघु	10 करोड़ तक	50 करोड़ तक
मध्यम	50 करोड़ तक	250 करोड़ तक

प्रोत्साहन

पूंजीगत अनुदान (सब्सिडी)

सूक्ष्म	लघु	मध्यम
₹0.5 करोड़ तक	₹2.5 करोड़ तक	₹4 करोड़ तक

स्टाम्प शुल्क प्रतिपूर्ति	100% तक
डी पी आर ए सहायता	75% तक

ब्याज अनुदान

सूक्ष्म	लघु	मध्यम
5 लाख प्रतिवर्ष तक	6 लाख प्रतिवर्ष तक	7 लाख प्रतिवर्ष तक

मंडी शुल्क प्रतिपूर्ति : 50% प्रति यूनिट प्रति वर्ष रू. 5 लाख तक

- बिजली शुल्क पर 5 वर्ष की छूट
- सर्वाधिक प्राथमिकता श्रेणी के तहत 15 लाख रुपये तक की अतिरिक्त पूंजी सब्सिडी
- गुणवत्ता प्रमाणन शुल्क की प्रतिपूर्ति-खर्च की गई लागत का 75 प्रतिशत

सहमति पत्र के साथ)

- निजी औद्योगिक आस्थान की स्थापना के लिए मैदानी क्षेत्र में न्यूनतम 30 एकड़ और पहाड़ी क्षेत्र में न्यूनतम 2 एकड़ जमीन होना आवश्यक है।
- प्रस्तावित भूमि प्रमोटर के पूर्ण कब्जे में होनी चाहिए और किसी भी अतिक्रमण से मुक्त होनी चाहिए।
- औद्योगिक भूखण्डों की दरें आस्थान के प्रवर्तक/निदेशक मण्डल द्वारा ही निर्धारित एवं विपणन की जायेंगी। राज्य सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं होगी

राजकोषीय प्रोत्साहन

पूंजीगत सब्सिडी (अनुदान)

किसी भी निजी क्षेत्र के निवेशक, व्यावसायिक इकाई आदि द्वारा प्रवर्तित प्रत्येक औद्योगिक पार्क/एस्टेट की बुनियादी ढांचा लागत के बिक्री योग्य क्षेत्र पर प्रति एकड़ 10 लाख रुपये की पूंजी अनुदान।

सी ई टी पी

पूंजीगत सब्सिडी का 40%, (सीईटीपी स्थापित करने के लिए संयंत्र पर निर्धारित पूंजी निवेश का अधिकतम 1 करोड़ रुपये)

प्रोत्साहन

इकाई के प्रकार	प्रोत्साहन
भण्डारण सुविधा	परियोजना लागत का 20 प्रतिशत तक
ट्रक टर्मिनल	परियोजना लागत का 20 प्रतिशत तक
वाहन खरीद प्रोत्साहन (न्यूनतम तीन ट्रक/ छोटे ट्रक /मिनी पिकअप ट्रक/टीफर वैन)	बड़े ट्रकों पर 10 प्रतिशत तक और छोटे और मध्यम ट्रकों पर 15 प्रतिशत तक अधिकतम तक 10 लाख रु.
कोल्ड स्टोरेज	परियोजना लागत का 15 प्रतिशत तक
बुनियादी सुविधाएं	परियोजना लागत का 20 प्रतिशत तक
लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी/ड्राईपोर्ट/ एयर कार्गो/इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स पार्क)	50 करोड़ रुपये तक की परियोजना लागत के लिए 8 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी। 50-150 करोड़ रुपये के बीच की परियोजना लागत के लिए 24 करोड़ रुपय तक। 150 करोड़ से अधिक परियोजना लागत के लिए 32 करोड़ रुपय तक की सब्सिडी।
अंतर्देशीय कंटेनर डिपो	
कौशल विकास प्रोत्साहन	

प्रदेश की समृद्धि में भागीदार बनें

अधिक जानकारी के लिए
investuttarakhand.uk.gov.in
पर लॉग ऑन करें

/ukgis2023

QR कोड
स्कैन करें

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

सीडीओ ने विकास खंड अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर किसानो को केसीसी आवेदन हेतु जागरूक करने को कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से किसान बैंकों से न्यूनतम ब्याज दर पर अपनी जरूरत के अनुसार पूंजी ले सकता है। इस पूंजी को किसान अपने कृषि, उद्यान, मत्स्य, पशुपालन सहित अन्य के लिए उपयोग में ले सकता है।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा रथ के साथ ही गांव-गांव में केसीसी के लिए लोगों को जागरूक करें तथा उनसे केसीसी के आवेदन प्राप्त करें। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि केसीसी आवेदन प्राप्त होते हुए तत्काल उन्हें स्वीकृत करना सुनिश्चित करें। जिससे किसानों को उसका लाभ समय पर मिल सकेगा। उन्होंने सहकारिता विभाग के अधिकारी को प्रतिदिन केसीसी आवेदनो की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिये हैं। कहा कि अधिक से अधिक केसीसी बने इसके लिए घर-घर जाकर अभियान चलाना आवश्यक है, जिससे अधिक से अधिक किसान केसीसी बनाकर इसका लाभ ले सकेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने व किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिये।

जनपद में 104 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद को टीबी उन्मूलन करने के लिए जिला फोरम की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जनपद में 104 ग्राम पंचायतों को और 353 टीबी रोगियों को अब तक टीबी मुक्त किया जा चुका है। जनपद में कुल 467 निक्षय मित्रों की तैनाती की गयी है।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ बाल विकास, पंचायतीराज, परिवहन, वन विभाग सहित अन्य जुड़े हुए विभगों को निर्देशित किया कि जनपद को टीबी मुक्त करने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि समय-समय पर टीबी रोगियों का ठीक से सर्वे करें तथा उनको रोगमुक्त करने के लिए निक्षयमित्र उपलब्ध करवाते हुए पूरा इलाज दिलायें। उन्होंने बाल विकास विभाग को स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से, पंचायत विभाग को ग्राम सभा की बैठक में, परिवहन विभाग को विभिन्न बैनर-पोस्टर के माध्यम से, वन विभाग को वन क्षेत्रों की प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष आबादी के बीच टीबी रोगियों की पहचान करवाने तथा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उनका इलाज करवाने के निर्देश दिये हैं। बैठक में प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पारूल, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रमेश कुंवर, उपजिलाधिकारी सदर स्मृता परमार सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भेदभाव का नायाब नमूना

नोएडा में लड़कियां अब आठ बजे शाम के बाद क्लास ज्वाइन नहीं कर पा रही हैं। ऐसी रोक लगाते हुए इसे ध्यान में नहीं रखा गया है कि अनगिनत लड़कियां आर्थिक उपार्जन के लिए दिन भर कहीं काम करने के बाद शाम को क्लास ज्वाइन करती हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लगे उत्तर प्रदेश के नोएडा पुलिस ने अपनी सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत लड़कियों/महिलाओं के खिलाफ भेदभाव भरा कदम उठाया है। यह पुलिस का अपने दायित्व से मुकरना भी है और महिलाओं को घर के दायरे में धकेलने की उसकी सोच को भी जाहिर करता है। इस परियोजना के तहत कोचिंग एवं अन्य संस्थानों में शाम आठ बजे के बाद लड़कियों के लिए क्लास चलाने पर रोक लगा दी गई है। लेकिन ऐसी कोई रोक लडक़ों पर लागू नहीं होगी। पुलिस की यह सोच घोर आपत्तिजनक है कि लड़कियों के सडक़ों पर घूमने–फिरने से शहर की सुरक्षा खतरे में पड़ती है। इस सोच में यह निहित है कि अगर लड़कियां घूमती–फिरती हैं तो यह पुरुष अपराधियों को जुर्म करने के लिए न्योता देने जैसा है। यह इस बात की स्वीकारोक्ति भी है कि ऐसे अपराधियों पर लगाम लगाने में नोएडा पुलिस अपने को अक्षम मानती है। वह यह बात नहीं मानती कि सबको हर जगह सुरक्षित महसूस कराना उसका कर्त्तव्य है। पुलिस ने ऐसा निर्णय लेते वक्त इस हकीकत को ध्यान में नहीं रखा कि अनगिनत लड़कियां आर्थिक उपार्जन के लिए दिन भर कहीं काम करती हैं और करियर में आगे बढऩे के लिए शाम की क्लास ज्वाइन करती हैं।

बेशक राष्ट्रीय राजधानी के आसपास गुजरे वर्षों में महिलाओं के खिलाफ गंभीरतम अपराध हुए हैं। इससे महिलाएं अपने को खौफजदा महसूस करती हैं। साथ ही इसका दुनिया में भारत की बदनामी हुई है।

देश को महिलाओं के लिए आम तौर पर वहां असुरक्षित समझा जाता है। लेकिन इस समस्या का समाधान कानून–व्यवस्था का तंत्र दुरुस्त करने के साथ–साथ समाज में जागरूकता लाना है। इसके बजाय महिलाओं को घर में सिमट जाने की सलाह देना कुछ वैसा ही है, जैसे अगर किसी के घर चोरी होती है, तो उससे पूछा जाए कि उसने धन रखा ही क्यों था। इसलिए बेहतर होगा कि नोएडा पुलिस अपना यह फरमान तुरंत वापस ले। वरना आशंका यह है कि दूसरे शहरों की पुलिस भी इससे सीख लेने लगेगी और महिला स्वतंत्रता की बलि चढ़ जाएगी। ऐसी सोच का पुरजोर विरोध किए जाने की जरूरत है।

विश्वसनीयता की कसौटी पर खरे नहीं हैं एक्जिट पोल

भूपेन्द्र गुप्ता

वैसे तो एग्जिट पोल भारतीय चुनावी परिदृश्य को दो दशक से प्रभावित करते रहे हैं। किंतु 2023 के ताजा एग्जिट पोल सामने आने के बाद विरोधाभास की स्थिति पैदा हो गई है।

देश के एक प्रतिष्ठित चैनल के प्रतिष्ठित पत्रकारों ने ही अपने चैनल पर प्रसारित किये जा रहे एग्जिट पोल से असहमति जाहिर कर दी,और इसे सार्वजनिक भी कर दिया। तब एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर पूरे देश में बहस शुरू हो गई है । क्या एग्जिट पोल वास्तविकता के नजदीक होते हैं ? क्या एग्जिट पोल में वैज्ञानिक प्रक्रियाओं का उपयोग होता है ? क्या एग्जिट पोल भौगोलिक रूप से संपूर्ण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं ? या इसमें कल्पनाशीलता का भी रंग होता है ।

सन 2013 में जिन भी संस्थाओं ने चुनाव के बाद अपने एग्जिट पोल जारी किए थे उनमें इंडिया टुडे ने मध्य प्रदेश में भाजपा को 138 और कांग्रेस को 80 सीटें बताई थी जबकि चुनाव के वास्तविक परिणाम सामने आए तो भाजपा को 165 और कांग्रेस को मात्र 58 सीट ही मिली थी ।इसका अर्थ यह है कि परिणाम विश्वास योग्य नहीं थे ।इसी तरह 2013 के राजस्थान चुनाव के लिए इस कंपनी ने भाजपा को 110 और कांग्रेस को 62 सीटें दी थीं जबकि वास्तविक परिणाम में भाजपा को 163 एवं कांग्रेस को मात्र 21 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। इसी तरह 2018 में अगर देखा जाए तो एक्सेस माय इंडिया ने 2018 में मध्य प्रदेश के लिए भाजपा को 111 और कांग्रेस को 113 सीटों की घोषणा की थी वास्तविक परिणाम में यह भाजपा को 109 और कांग्रेस को 114 सीट प्राप्त होने से माना जाने लगा कि इनका एग्जिट पोल सर्वाधिक सही था लेकिन इसी कंपनी द्वारा 2018 में ही राजस्थान में किये गये सर्वेक्षण में भाजपा को 63 और कांग्रेस को 130 सीट बताई गई थीं जबकि वास्तविक परिणाम में भाजपा को 73 और कांग्रेस को 99 सीट प्राप्त हुई थीं ।इसका अर्थ है कि एक ही संस्था द्वारा एक ही तरह की प्रणाली का उपयोग करके किए गए सर्वे के परिणाम भी भिन्न–भिन्न हो सकते हैं और उसमें किसी एक राज्य में एक्यूरेसी होने के बावजूद भी वह अन्य राज्य या भौगोलिक क्षेत्र में असफल भी हो सकता

है ।

फिर विभिन्न पार्टियां जानते हुए भी इन एग्जिट पोलों को महत्व क्यों देतीं हैं ?क्योंकि इन पोल के माध्यम से मनोवैज्ञानिक वातावरण बनाने में वे पोल के परिणामों का उपयोग करती हैं ।जिससे अधिकारियों पर भी दबाव बनता है और प्रतिपक्षियों के कार्यकर्ताओं के मनोबल पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सामान्यतःजो सीटें 500 से 1000 मतों के बीच में फंसी हुई होती हैं उन्हें सत्ताधारी पार्टी दबाव बनाकर अपने अनुकूल परिणाम लाने में सफलता हासिल कर सकती है ।यह संभावना ही इन सर्वेक्षणों को महत्व मिलने का मूल आधार है। 2018 के चुनाव में इस तरह फंसी हुई लगभग 20 सीटें ही सरकार का संख्याबल घटाने–बढ़ाने में सहायक हुईं थीं, अन्यथा 2018 में ही बहुमत की सरकार अपेक्षित थी ।ऐसे सर्वेक्षणों में सेम्पल साईज,सेम्पल की ज्योग्राफिक लोकेशन,और ईमानदार विश्लेषण ही इसकी विश्वसनीयता की कसौटी होती है।

उदाहरण के लिये एक हजार सेम्पल अगर एक ही लोकेशन से संग्रहीत कर लिये जायें जबकि क्षेत्र में 300 बूथ है तब भी सेम्पल साईज तो एक हजार ही कहलायेगी किंतु वह समग्र क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं करेगी ।इसलिये सेम्पल यूनीवर्स का चयन ही सर्वेक्षित क्षेत्र की विविधताओं का प्रतिनिधित्व कर सकता है ।इसी तरह केवल एक मुद्दे को आधार बनाकर उसका प्रभाव जांचा जाये तब भी परिणाम संधिग्ध ही होंगे ।ताजा सर्वेक्षण लाड़ली बहना सापेक्ष प्रतीत होते हैं और वे तिरस्कृत बहनाओं,मंहगाई, बेरोजगारी, किसान समस्याओं, आदिवासी अस्मिता ,ओपीएस तथा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों की उपेक्षा करते दिखाई देते हैं।

किसिंजर नायक थे तो खलनायक भी!

श्रुति व्यास

कुछ के लिए वे परम पूजनीय थे, तो कुछ उन्हें गालियां देते थे। कुछ के लिए वे उपहास के पात्र थे तो कुछ के लिए श्रद्धा के। और यह आज की बात नहीं है, दशकों पहले भी ऐसा ही थाऔर 2023 में भी ऐसा ही था। हेनरी किसिंजर थे ही ऐसे ।बुधवार 29 नवंबर (2023) को हेनरी किसिंजर ने अमेरिका में अंतिम सांस ली ।वे इस देश के लिए बाहरी और अप्रवासी थे। वे होलोकॉस्ट (यहूदियों का नरसंहार) का शिकार होने से बच कर अमेरिका पहुंचे थे।

किसिंजर का करियर काफी गौरवशाली और चमकीला रहा। वे राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के कार्यकाल में पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और फिर विदेश मंत्री रहे ।उसी दौरान वे 20वीं सदी के नायक और खलनायक दोनों बने ।यही कारण है कि उनकी मृत्यु के बाद जो ढेर सारी श्रद्धांजलियां उन्हें दी गईं है उनमें भी एक तरह का गुस्सा झलक रहा है ।बीबीसी के ओबिट का शीर्षक था"बांटने वाला राजनयिक जो दुनिया पर छाया रहा।" अल जजीरा ने उन्हें नोबल पुरस्कार विजेता 'युद्धोन्मादी'कहा। टाईम पत्रिका ने किसिंजर के अवसान को "प्रभावशाली और दुनिया को ध्रुवीकृत करने वाले अमरीकी विदेश मंत्री की मौत बताया"। इकोनोमिस्ट ने टिप्पणी की 'हैनरी किसिंजर कभी वह न बने सके जो वे बनना चाहते थे। अमेरिकी कूटनीति के दिग्गज का 29 नवंबर को 100 वर्ष की आयु में देहांत हो गया"।

इनमें से प्रत्येक शीर्षक उनके करियर और उनकी विरासत के बारे में और हैनरी किसिंजर किस तरह के व्यक्ति थे, इसपर प्रकाश डालता है। एक प्रतिभाशाली व्यक्ति, जो एक कुटिल कूटनीतिज्ञ और दिलचस्प वक्ता था, जो अपनी नकसुरी आवाज़ में अपने मतलब की बात करना कभी नहीं भूलता था, जिसने भला भी किया और बुरा भी और जिसने इतिहास में अपनी जगह खुद बनाई। और चाहे आपको यह सही लगे या गलत, उन्हें 1973 में नोबल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया जिससे उनका एक विश्वप्रसिद्ध सितारे का दर्जा बना।

उस दौर में हर कोई किसिंजर बनना चाहता था और आज भी हर कोई किसिंजर बनने का अरमान रखता है ।उन्होंने अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शांति बनाए रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, वाशिंगटन और कम्युनिस्ट चीन के बीच निकट संबंध कायम करने वाले वे ही थे, मिस्त्र और इजराइल के बीच शांति समझौते में उन्होंने ही मध्यस्थता की, और उत्तरी वियतनाम से चली लंबी वार्ताओं में अमरीकी दल के प्रमुख भी वे ही थे, जिसके नतीजे में अमरीकी सेनाएं इंडोचाईना से लौटा। और विदेशी भूमि पर अमेरिका द्वारा लड़ा गया सबसे लंबा युद्ध समाप्त हुआ।

अप्रवासी किसिंजर ने अमेरिका में जो कद और राजनैतिक प्रभावहासिल किया वह न तो उस काल में और न ही वर्तमान दौर में कोई अप्रवासी कर पाया। वे शरणार्थी के रूप में अपने अतीत की चर्चा बहुत कम करते थे ।उन्होंने एक साक्षात्कारकर्ता से कहा था कि वे उनके विचारों और उनके बचपन के बीच कोई मनोविश्लेषणात्मक संबंध होने की बात को खारिज कर दें। हालांकि कईयोंका यह तर्क था कि नाजीवाद की विभीषिका को व्यक्तिगत रूप से भोगने के कारण, क्रन्तिकारी परिवर्तनों की सम्भावना से वे दहशत में आ जाते थे। तभी दुनिया के हालात के उनके विश्लेषण में एक ख़ास तरह का नैराश्य झलकता था।

यद्यपि किसिंजर को अक्सर देशों के अपने–अपने स्वार्थों और शक्ति संतुलन पर आधारित वैश्विक व्यवस्था पर दृढ़ विश्वास रखने वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाता था, लेकिन दिल से वे अपना जीवन अपने तरीके से जीने के अमेरिकी आदर्श के प्रति पूर्णतः समर्पित थे। वे जिस देश में बसे, उन्हें उससे बहुत प्यार था और बदलती हुई दुनिया में अमेरिकी दबदबा कायम करने के प्रति उनमें मिशनरी उत्साह कूट–कूटकर भरा हुआ था। लेकिन इस उत्साह के बावजूद, और कूटनीतिक और रणनीतिक कौशल के बाद भी, वियतनाम, कंबोडिया, लाओस, बांग्लादेश, चिली, अर्जेंनटीना, पूर्वी तिमोर और साईप्रस आदि के दुनिया के सबसे असहाय लोगों के प्रति उनकी 'दुष्टतापूर्णनिर्ममता' ने उनकी छवि और विरासत पर कालिख पोत दी।

उन्होंने कम्बोडिया पर एक गुप्त जमीनी हमले का समर्थन किया, जो मई 1970 में शुरू हुआ। दिसंबर 1970 में जब निक्सन ने कहा कि अमेरिकी हवाई बमबारी अपर्याप्त है तो किसिंजर ने 'कंबोडिया पर जबरदस्त हवाई हमले का अभियान'चलाने का आदेश दिया। नागरिक और सैनिक लक्ष्यों के बीच अंतर को नजअंदाज करते हुए किसिंजर ने कहा ''हर चलती और उड़ती चीज पर हमला करों ।समझ आया?"

उनके जीवन का सबसे चर्चित अध्याय 1971 में प्रारंभ हुआ, जब बांग्लादेश, जो शीत युद्ध के उस दौर में अमेरिका के महत्वपूर्ण मित्र देश पाकिस्तान का पूर्वी भाग था, में नरसंहारों की श्रृंखला के दौरान किसिंजर पूरी दृढ़ता से पाकिस्तान की सैन्य तानाशाही के साथ खड़े रहे ।वह शीत युद्ध के काल के सबसे भयावह अत्याचारों में से एक था झ जिसपर बाद में उन्होंने लीपा–पोती करने का प्रयास किया ।इसी कारण व्हाईट हाउस के टेपों के कुछ सबसे संवेदनशील हिस्सों को राष्ट्रीय सुरक्षा को सुरक्षित रखते का खोखला बहाना बनाकर कई दशकों उन्हे गुप्त रखा गया।

सन् 1980 आते–आते किसिंजर राजनैतिक गलियारों से गायब होने लगे। चुनाव जीतने के बाद रोनाल्ड रीगन, किसिंजर की छवि और उनके व्यक्तित्व की क्षमताओं को लेकर असहज रहते थे। उनकी यथार्थवादी सार्वजनिक शख्सियत और रीगन और उनके सहयोगियों की कम्युनिज्म विरोधी जंग और सोवियत विस्तारवाद संबंधी दावों के बीच पटरी नहीं बैठ पाई। रीगन की टीम इस विचारधारा की थी कि तनाव शैथ्लिय के काल में सोवियत नेता ब्रेजनेव से बने उनके संपर्कों से तुष्टिकरण की बू आती है।

लेकिन किसिंजर एक सच्चे देशभक्त थे, वे एक दृढ़ और कुशाग्र राजनैतिक और रणनीतिक बुद्धि वाले व्यक्ति थे ।80 वर्ष से अधिक आयु में, सोवियत संघ के पतन के बाद के दौर में वे जार्ज डब्लू बुश के नजदीकी सलाहकार बने, और उन्होंने ईराक पर उनके हमले का समर्थन किया। अपनी 100वीं वर्षगांठ के ठीक पहले 'द इकोनॉमिस्ट'से अपनी अंतिम विस्तृत चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे अमेरिका और चीन की प्रतियोगिता को एक विनाशकारी युद्ध का रूप लेने से रोका जा सकता है ।उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन को मिलकर रहना सीखना होगा क्योंकि दोनों के पास दस साल से भी कम का समय है।

किसिंजर हमेशा याद रहेंगे। उनकी चर्चा होगी। उनकी किताबें, उनके लेख, उनके अनुभवों को दोहराने की कोशिशें होंगीं। उनका तिरस्कार भी होगा लेकिन उनकी प्रशंसा भी होगी। अमेरिकी समाज उन्हें स्नेह करेगा और वे चीनियों के हमेशा प्यारे रहेंगे (अमेरिका–चीन टकराव के हालिया दौर में उन्होंने कुछ दिन पहले चीन की यात्रा की थी)। ऐसा ही सारी दुनिया और उनके द्वारा किए गए हर काम के संबंध में होगा। उनकी मृत्यु के बाद वे बदनाम किये जाएंगे, क्योंकि हैनरी किसिंजर के 100 साल के जीवन के संदर्भ में एक बात पूरे मायने रखती है झ नाजीवाद के घाव कभी नहीं भरे, क्योंकि वे हमेशा किसी भी कीमत पर एक ऐसे विश्वयुद्ध को टालना चाहते थे जिसके चलते उन्हें जर्मनी छोडऩा पड़ा और जिसमें उनके परिवार के आधे सदस्य मारे गए।

समाप्त होगा यूक्रेन युद्ध?

जेलेन्स्की की पार्टी के एक सांसद ने एक इंटरव्यू में कहा है कि मार्च–अप्रैल 2022 में यूक्रेन और रूस में इस शर्त पर युद्ध खत्म करने पर सहमति बन गई थी कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा। लेकिन तब पश्चिम ने यूक्रेन को रोक दिया।

पश्चिमी मीडिया में छपी खबरों का संकेत है कि अमेरिका और उसके साथी देश अब यूक्रेन युद्ध से पीछा छुड़ाने जुट गए हैं। अमेरिका में यह युद्ध इतना अलोकप्रिय हो चुका है कि रिपब्लिकन पार्टी खुलेआम यूक्रेन को कोई मदद देने का विरोध कर रही है। कांग्रेस में उसने इससे संबंधित प्रस्ताव को पारित होने से रोक रखा है। उधर जर्मनी के जाने–माने अखबार बिल्ड ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अमेरिका और जर्मनी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की दबाव बनाने का फैसला किया है, ताकि वे रूस से शांति समझौता करने के लिए तैयार हो जाएं। दोनों देश अब जेलेन्स्की को समझाने की कोशिश करेंगे कि यूक्रेन जो इलाके गवां दिए हैं, उसके लिए उन्हें वापस पा सकना संभव नहीं है। यूक्रेन के लिए अब सबसे अच्छी स्थिति यह है कि वह यथासंभव बेहतर शर्तों के साथ

रूस से बातचीत करे। तमाम रणनीतिक विशेषज्ञ बीते कई महीनों से यह बता रहे हैं कि हर व्यावहारिक रूप में यूक्रेन युद्ध हार चुका है। इस वर्ष मध्य में उसने जवाबी हमले का जो दांव चला, वह उलटा पड़ा। अब वहां सैनिकों की कमी हो गई है। दूसरी तरफ रूस ने उससे पांच गुना अधिक सैनिक इकट्ठे कर रखे हैं, जबकि उसने अपने मिलिटरी–इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स को फिर से खड़ा कर लिया है। युद्ध अर्थव्यवस्था ने उसकी सकल अर्थव्यवस्था को बल प्रदान कर दिया है। तो पश्चिमी देश अब पीछा छुड़ाने के मूड में दिखते हैं। इजराइल–फिलस्तीन के नए संकट ने उनके हाथ और बांध दिए हैं। जाहिर है, जेलेन्स्की उनके इस रुख से आहत हैं। उनकी सर्वेंट ऑफ पीपुल्स पार्टी के सांसद डेविड अरखमिया ने रूस की समाचार एजेंसी स्पुतनिक को दिए इंटरव्यू में कहा है कि मार्च–अप्रैल 2022 में यूक्रेन और रूस में इस शर्त पर युद्ध खत्म करने पर सहमति बन गई थी कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा। लेकिन तब अमेरिका और ब्रिटेन ने यूक्रेन को रोक दिया। अब ये देश ही हाथ खींच रहे हैं। ये बातें सच हैं, तो यह उन देशों के लिए एक सबक है, जो बड़ी शक्तियों का मोहरा बनने को तैयार हो जाते हैं।

निर्दलीय प्रत्याशियों से चर्चा की कोई आवश्यकता नहीं, प्रदेश के मतदाताओं पर है भरोसा: कमलनाथ

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में कल मतगणना के पूर्व कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आज दावा किया कि उन्हें प्रदेश के मतदाताओं पर भरोसा है और कांग्रेस को निर्दलीय प्रत्याशियों से चर्चा की कोई आवश्यकता नहीं है।

कमलनाथ ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि आज वे कोई बयान नहीं देंगे। कल इसी समय संवाददाताओं से लंबी चर्चा करेंगे। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि उन्हें एग्जिट पोल से कोई मतलब नहीं है, उन्हें मतदाताओं पर भरोसा है। निर्दलीय प्रत्याशियों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि निर्दलीय प्रत्याशियों से बात करने की कांग्रेस को कोई आवश्यकता नहीं है। भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगर भाजपा के पास इतनी सीट हैं तो पार्टी निर्दलीयों से बात करने का नाटक क्यों कर रही है।

सुरक्षा परिषद ने अल–शबाब पर प्रतिबंधों को फिर से किया लागू

संयुक्त राष्ट्र ,एजेंसी। सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को सोमालिया स्थित अल–शबाब पर प्रतिबंध को नवीनीकृत करने और सोमाली सरकार पर हथियार प्रतिबंध हटाने के लिए दो अलग–अलग प्रस्ताव पारित किया।प्रस्ताव 2713 में 15 दिसंबर, 2024 तक अल–शबाब पर प्रतिबंधों को नवीनीकृत करने का निर्णय लिया गया, जिसमें अवैध हथियारों के आयात पर प्रतिबंध लागू करने के लिए समुद्री हस्तक्षेप के लिए अनुमोदन, चारकोल निर्यात प्रतिबंध और तात्कालिक विस्फोटक उपकरण घटक प्रतिबंध शामिल हैं। प्रस्ताव 2713 में प्रतिबंध समिति की सहायता करने वाले विशेषज्ञों के पैनल के अधिकार–पत्र को 15 जनवरी, 2025 तक नवीनीकृत करने का भी निर्णय लिया गया।प्रस्ताव को सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से 14 सदस्यों ने पक्ष में वोट दिया जबकि फ्रांस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। सुरक्षा परिषद ने सोमाली सरकार पर से हथियार प्रतिबंध हटाने के लिए शुक्रवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया।

3497 करोड़ पहुंची जीएसटी की उगाही, नवंबर तक जुटाए 1730 करोड़, केंद्र को चुकाई इतनी रिकवरी

शिमला, एजेंसी। आबकारी विभाग ने जीएसटी उगाही में बड़ी छलांग लगाई है। एसजीएसटी में 12 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ नवंबर महीने तक 1730 करोड़ 77 लाख रुपए की उगाही दर्ज हुई है, जबकि बीते साल नवंबर महीने तक विभाग ने 1547 करोड़ 41 लाख रुपए एसजीएसटी के माध्यम से जुटाए थे। दोनों सालों के बीच 183 करोड़ 36 लाख रुपए का अंतर आया है। आईजीएसटी यानी इंटीगेटिड गुड्स एंड सर्विस टैक्स में हालांकि चार फीसदी की गिरावट जरूर नजर आ रही है, लेकिन आईजीएसटी में नवंबर महीने तक की उगाही 1969 करोड़ 90 लाख रुपए पहुंच गई है। आबकारी और कराधान विभाग ने आईजीएसटी के एवज में केंद्र को 203 करोड़ 45 लाख रुपए की रिकवरी भी चुकता की है। इस तरह आबकारी और कराधान विभाग अब 3497 करोड़ 22 लाख रुपए के कुल उगाही तक पहुंच गया है। मौजूदा वित्तीय वर्ष में राजस्व जुटाने का कुल लक्ष्य 6264 करोड़ रुपए है। विभाग को आगामी चार महीनों में 2767 करोड़ रुपए अर्जित करने हैं।

मौजूदा वित्तीय वर्ष की बात करें, तो अप्रैल महीने में 592 करोड़, मई में 409 करोड़, जून में 412 करोड़, जुलाई में 446 करोड़, अगस्त में 406 करोड़, सितंबर में 338 करोड़ और अक्टूबर में 516 करोड़ रुपए की वसूली जीएसटी में हुई है। नवंबर महीने में उगाही करीब 378 करोड़ रुपए रही है।

गौरतलब है कि आपदा की वजह से आबकारी विभाग को जुलाई और सितंबर महीने में नुकसान उठाना पड़ा था। जुलाई में पांच प्रतिशत, जबकि सितंबर में सात प्रतिशत घाटा राजस्व में रहा था। अक्तूबर महीने में नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद आबकारी विभाग का बढ़ता राजस्व घाटा, अब दो प्रतिशत पर सिमट गया है और नवंबर में विभाग ने राजस्व घाटे को पूरा कर लिया है तथा विभाग मुनाफे की तरफ बढ़ रहा है। बीते साल के मुकाबले 72 करोड़ 90 लाख रुपए की बढ़ोतरी राजस्व में दर्ज हो गई है। आबकारी कराधान विभाग के राज्य आयुक्त युनुस ने बताया कि जीएसटी उगाही में आपदा के बाद लगातार सुधार देखा गया है।

पंजाब: संगरूर के मेरिटोरियस स्कूल में परोसा दूषित खाना, 40 बच्चों की तबीयत बिगड़ी– मचा हड़कंप

संगरूर ,एजेंसी । संगरूर के नजदीकी सरकारी मेरिटोरियस स्कूल में दूषित भोजन खाने से 40 बच्चे बीमार हो गए है। बीमार बच्चों का इलाज सिविल अस्पताल संगरूर में किया जा रहा है। अस्पताल में उपचाराधीन बच्चों ने स्कूल में मिल रहे भोजन को घटिया होने की बात कही। दरअसल, सरकारी मेरिटोरियस स्कूल में दूषित भोजन खाने से शुक्रवार देर रात 18 बच्चों को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जिसमें से 14 बच्चों को प्राथमिकी इलाज कर छुट्टी दे दी गई, जबकि 4 बच्चों की हालत गंभीर होने की वजह से भर्ती कर लिया है। शनिवार सुबह स्कूल से 20 बच्चों को भर्ती करवाया गया। भर्ती बच्चों के मुंह से झाग, पेट में दर्द व उल्टियां होने की शिकायत सामने आई है। अस्पताल में भर्ती बच्चों ने कहा कि उन्हें दीपावली के बाद से ही घटिया सामग्री वाला खाना खिलाया जा रहा है। इस संबंधी प्रबंधकों को शिकायत भी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।बच्चों ने कहा कि शुक्रवार रात के भोजन में कीड़े चलते दिखाई दे रहे थे, लेकिन मैस के ठेकेदार ने कीडों वाला ही खाना ही परोस दिया। अभिभावकों ने कहा कि कई बार खाने को लेकर बच्चों से आई शिकायत के आधार पर प्रबंधकों को बताया गया है।

पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब में बड़ी वारदात : बाप ने गोली मारकर किया बेटे का कत्ल, 10 दिसंबर को युवक ने जाना था कनाडा

श्री मुक्तसर साहिब ,एजेंसी । पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। हलका लंबी के गांव धौला में पिता ने अपने भाई के साथ मिलकर अपने इकलौते बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक युवक को 10 दिसंबर को कनाडा जाना था। थाना लंबी की पुलिस ने लडके की मां के बयानों पर पिता और चाचा के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया है।

बता दें कि आरोपी ने अपने इकलौते बेटे नवजोत सिंह को गोली मार दी थी। मृतक युवक की उम्र 22 साल है, जिसका इलाज चल रहा था और आज उसकी मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बड़ा हादसा, बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से सीआरपीएफ के दो जवान घायल

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में नक्सलियों द्वारा लगाए गए बारूदी सुरंग विस्फोट में केन्द्रीय सुरक्षा बल के दो जवान घायल हो गए। घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए हेलिकॉप्टर से रायपुर भेजा गया।

केन्द्रीय सुरक्षा बल के उपमहानिरीक्षक विकास कटारिया ने आज बताया कि बारसूर पल्ली मार्ग पर तुलारगुफा के पास नक्सलियों के इकठ्ठा होने की सूचना मिली थी। इसके तहत केन्द्रीय सुरक्षा बल की 195 बटालियन के जवानों को सर्चिंग पर भेजा गया। जवानों को संदिग्ध हालत में कुछ पैकेट में बम पड़े हुए मिले। बम को बड़ी सावधानी से बम निरोधक दस्ता और डॉग की मदद से निष्क्रिय करने की कोशिश की

जा रही थी, इसी बीच बम ब्लास्ट हो गया, जिसमें दो जवानों को चोटें आईं हैं। घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रवाना किया गया।

इधर, बीजापुर जिले में जांगला थाना क्षेत्र के तहत बड़ेतुमाली के जंगल में नक्सलियों के होने की सूचना पर जिला रिजर्व पुलिस बल, बस्तर फाइटर तथा छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्स की संयुक्त टीम को गश्त पर रवाना किया गया। बड़ेतुमाली के करीब पहुंचने पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई।

वहीं, नक्सलियों के कैम्प को ध्वस्त किया गया। घटना स्थल पर नक्सली साहित्य, दवाई और अन्य उपयोगी सामान बरामद किया गया। सुकमा जिले में नक्सलियों के खिलाफ नाकेबंदी की जा रही है। अतिसंवेदनशील नक्सली प्रभावित इलाका मुलेर में कल से पुलिस कैम्प लगाया गया है। कांकेर जिले में कल शाम नक्सलियों ने पुलिस मुखबिर के आरोप में छोटबिटिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत कंदाड़ी गांव में एक उपसरपंच की हत्या कर दी है। संगम जाने वाले पक्की सड़क को कई जगह क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

रशियन महिलाओं को 7–8 बच्चे पैदा करना चाहिए, राष्ट्रपति पुतिन बोले–यह कोई नई बात नहीं

मॉस्को ,एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अपील है कि रूसी महिलाओं को 7–8 बच्चे पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं होगी, क्योंकि पुराने दौर में ऐसा ही होता था। हमारी दादी और परदादी के पास 7–8 या उससे भी ज्यादा बच्चे हुआ करते थे। पुतिन का कहना है कि महिलाओं को इस बेहतरीन परंपरा को संरक्षित और पुनर्जीवित करनी चाहिए। पश्चिमी मीडिया का कहना है कि यूक्रेन युद्ध में बड़ी संख्या में रूसी सैनिक मारे जा रहे हैं, इसलिए पुतिन यह अपील कर रहे हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को मॉस्को में वर्ल्ड रशियन पिपल्स काउंसिल में संबोधन दे रहे थे, जब उन्होंने महिलाओं से कहा कि उन्हें ज्यादा बच्चे पैदा करना चाहिए। पुतिन ने कहा कि बड़ा परिवार रूस के सभी लोगों के लिए आदर्श जीवन का एक तरीका बनना चाहिए। परिवार सिर्फ राज्य और समाज की नींव नहीं है, यह एक आध्यात्मिक घटना है, नैतिकता का स्रोत है। रूस में दशकों से बर्थ रेट घट रही रही है और इसकी वजह से यहां युवा आबादी की संख्या में कमी आई है।

रूस लगभग डेढ़ साल से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। इस दरमियान लाखों रूसी सैनिक मारे गए हैं। पुतिन ने कहा कि आने वाले दशकों और यहां तक कि आने वाली पीढ़ियों के लिए रूस की आबादी को संरक्षित करना और आगे बढ़ाना हमारा लक्ष्य है। यही रूसी दुनिया, हजारों साल पुराने और शास्वत रूस का भविष्य है।

यूक्रेन में युद्ध की वजह से अनुमान है कि 900,000 लोगों को देश छोडक़र भागना पड़ा है। पलायन तब और ज्यादा बढ़ गया, जब पुतिन ने तीन लाख रिजर्व फोर्स तैयार करने का ऐलान किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूक्रेन युद्ध में 50 हजार सैनिक मारे गए हैं। हालांकि, ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय का दावा है कि युद्ध की वजह से कमोबेश 290,000 हताहत हुए हैं।24 साल पहले सत्ता में आए पुतिन ने लगातार रूसी महिलाओं से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की हैं। इसके लिए एक से ज्यादा बच्चे वाले परिवार को खर्चा–पानी भी दिया जाता है। 2020 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ रूसियों का मानना है कि सरकार ने बड़े परिवारों के लिए जमीन के भूखंड जैसी आर्थिक मदद का जो वादा किया था, लेकिन वो कभी पूरा नहीं हुआ। ऐसी भी अफवाह है कि पुतिन के चार से अधिक बच्चे हैं लेकिन बताया जाता है कि पुतिन ने इसे सार्वजनिक नहीं किया है।

नव वर्ष पर लग सकते हैं बिजली के झटके, 25 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने का प्रस्ताव

रांची ,एजेंसी । 2024 में झारखंड में लोगों को बिजली के तेज 'झटके' लग सकते हैं। राज्य में बिजली की दरें बढ़ाए जाने की तैयारी चल रही है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने बिजली की कीमतों में 25 फीसदी तक की वृद्धि का प्रस्ताव झारखंड इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन के समक्ष जमा किया है।

कमीशन ने इस प्रस्ताव का अध्ययन कर लिया है और इसे लेकर विभिन्न प्रमंडलों में जनसुनवाई की तारीखें तय कर दी। जनसुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग नई दरों का अंतिम निर्धारण करेगा। कमीशन ने 11 दिसंबर को मेदिनीनगर, 13 दिसंबर को चाईबासा, 15 दिसंबर को धनबाद, 18 को देवघर और 19 दिसंबर को रांची में प्रस्तावित दरों पर जनसुनवाई का कार्यक्रम तय किया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, नई दरें आगामी अप्रैल माह से प्रभावी होंगी। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने नई दरों को लेकर जो प्रस्ताव दिया है, वह वर्ष 2024–25 के लिए है। बिजली वितरण निगम ने कमीशन के समक्ष दिए दिए प्रस्ताव में अपने खर्चों के लिए 10 हजार 800 करोड़ की सालाना जरूरत बताई है और इस आधार बिजली की दरों में बढ़ोतरी की जरूरत बताई है।निगम ने रेवेन्यू रिक्वायरमेंट और मौजूदा रेवेन्यू के बीच 2500 करोड़ का गैप दिखाया है।

सैन्य नहीं, कूटनीति से ताइवान को हड़पेगा चीन, शी जिनपिंग ने रचा ताइवान के खिलाफ बड़ा षड्यंत्र

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान पर लगातार सैन्य हमले करने के बाद चीन ताइवान को राजनीतिक तौर पर भी घेरना चाहता है। चीन ने ताइवान के नेताओं को अपने पाले में लाने के लिए चाल चली है ताकि वह ताइवान की राष्ट्रपति को राजनीतिक रूप से कमजोर कर सके। जैसा कि चीन अब नेपाल और पाकिस्तान की राजनीति में अपनी सहुलियत के अनुसार हस्तक्षेप करता है। ताइवान के सूत्रों और दस्तावेजों के अनुसार बीजिंग ने द्वीप पर प्रमुख चुनावों से पहले सैकड़ों ताइवानी राजनेताओं के लिए कम कीमत पर चीन की यात्राएं प्रायोजित की हैं। चीन ऐसी चीजें करके लाइवान के नेताओं को चीन से कनेक्ट करना चाहता है। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन और अन्य ताइवान अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि चीन चुनावों में बीजिंग के साथ घनिष्ठ संबंध चाहने वाले उम्मीदवारों की ओर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर सकता है, जो चीन के साथ द्वीप के संबंधों को परिभाषित कर सकता है। बीजिंग, जो

लोकतांत्रिक रूप से शासित ताइवान पर अपना दावा करता है और द्वीप को अपनी संप्रभुता स्वीकार करने के लिए मजबूर करने के लिए सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा रहा है। 13 जनवरी को होने वाले राष्ट्रपति और विधायी चुनावों को शांति और युद्ध के बीच एक विकल्प के रूप में पेश करता है, सत्तारूढ़ दल को बुलाता है। खतरनाक अलगाववादी और ताइवानियों से सही विकल्प चुनने का आग्रह कर रहे हैं। ताइवान का कानून चुनाव अभियानों को चीन सहित बाहरी शत्रु ताकतों से धन प्राप्त करने से रोकता है, और दक्षिणी ताइवान में अभियोजकों ने इस सप्ताह कहा कि वे चुनाव और सुरक्षा कानूनों के संभावित उल्लंघन के लिए जमीनी स्तर के राजनेताओं सहित 22 लोगों की जांच कर रहे हैं।

पाकिस्तान के क्रिक्रेटर ने बताया कौन है भारत का महान बल्लेबाज?

नई दिल्ली। सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली संभवतः क्रिक्रेट जगत के दो सर्वकालिक महानतम बल्लेबाज हैं। बल्लेबाजी का लगभग हर टॉप रिकॉर्ड इन दो भारतीय दिग्गजों के खाते में दर्ज है। टेस्ट क्रिक्रेट में सचिन तेंदुलकर सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं, विराट कोहली वनडे क्रिक्रेट में 50 शतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं।

सचिन तेंदुलकर वनडे और टेस्ट क्रिक्रेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। वहीं, विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल क्रिक्रेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। हालांकि, पाकिस्तान क्रिक्रेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज जुनैद खान ने रोहित शर्मा को महानतम भारतीय बल्लेबाज करार दिया है।

पाकिस्तान के क्रिक्रेटर से सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली के बीच महानतम भारतीय बल्लेबाज चुनने का सवाल किया गया था, लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने रोहित शर्मा का नाम लेना उचित समझा। जुनैद खान ने नादिर अली के पोडकास्ट पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की।

जुनैद खान ने क्या कहा

मैं रोहित शर्मा का नाम लेना चाहूंगा। उनके पास सभी तरह के शॉट्स मौजूद हैं। विराट कोहली दिग्गज खिलाड़ी हैं। मगर जिस तरह सचिन तेंदुलकर ने अलग युग में बल्लेबाजी की, अगर वो आज खेलते तो 100 से ज्यादा शतक जमा देते। हर कोई रोहित शर्मा को हिटमैन कहता है क्योंकि उन्होंने 264 रन की पारी खेली थी। उन्होंने वनडे क्रिक्रेट में कई दोहरे शतक जमाए हैं। यह दुर्लभ है क्योंकि उन्होंने ऐसा एक से ज्यादा बार करके दिखाया। उन्होंने सबसे ज्यादा छक्के जमाने का रिकॉर्ड भी बनाया।

रोहित शर्मा को कप्तानी की इजाजत

बीसीसीआई के एक सूत्र ने अपना नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई से कहा, "रोहित शर्मा को टी20 की कप्तानी का प्रस्ताव दिया गया, लेकिन इस समय वो लंदन में छुट्टी पर हैं। पिछले चार महीने बेहद थकने के बाद रोहित शर्मा ने लंबे ब्रेक की गुजारिश की है। मगर कप्तान के रूप में वो ड्रेसिंग रूम की सबसे ज्यादा इज्जत करते हैं। अगर वो टी20 वर्ल्ड कप में खेलने को राजी होते हैं तो भारतीय टीम की कमान संभाल सकते हैं।"

शिवम दुबे और सुंदर को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां और आखिरी टी20 मैच बैंगलोर के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज पहले ही जीत चुकी भारतीय टीम के लिए यह औपचारिकता मात्र होगी। ऑस्ट्रेलिया आखिरी मैच जीतकर सम्मान के साथ विदाई लेना चाहेगा। रायपुर में खेले गए चौथे टी–20 मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 20 रन से मात दी।भारत की तरफ से चौथे टी20 मैच में बल्लेबाजों और गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन रहा। भारतीय टीम में श्रेयस अय्यर की वापसी हुई है। हालांकि, श्रेयस का कमबैक इतना शानदार नहीं रहा। रिंकू सिंह और जितेश शर्मा ने अपनी काबिलियत साबित की है। यशस्वी जायसवाल टीम को तेज शुरुआत दिला रहे हैं। वहीं, गायकवाड़ एंकर की भूमिका में बखूबी साथ दे रहे।

बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने की होगी कोशिश

हालांकि, सूर्यकुमार अपनी बेंच स्ट्रेंथ आजमाने की कोशिश करेंगे। इस सीरीज में अभी तक जिन खिलाड़ियों को खेलने का मौका नहीं मिला है। वह आखिरी टी20 में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा हो सकते हैं। इनमें शिवम दुबे और वॉशिंगटन सुंदर का नाम शामिल है। पांचवें टी20 मैच में इन दोनों को मौका मिल सकता है। बैंगलोर में हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिल सकता है। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 12 बार मुकबाले जीते हैं। वहीं, लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने 14 बार मुकाबला जीता है।

भारत ने बनाई है अजेय बढ़त

बता दें कि भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 3–1 से अजेय बढ़त बनाई हुई है। पहले दो मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद तीसरे मैच में भारत को हार का सामना करना पड़ा था। चौथे मैच में भारत ने जीत दर्ज कर सीरीज पर कब्जा जमाया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन

यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर, सुर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, दीपक चाहर, रवि बिश्नोई, दीपक चाहर, आवेश खान

फीबा ने की 3 बाई 3 ओलंपिक क्वालीफायर के दो मेजबानों की घोषणा

जिनेवा ,इंटरनेशनल बास्केटबॉल फेडरेशन (फीबा) ने पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 में 3&3 बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं के लिए तीन ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट (ओक्यूटी) में से दो के लिए मेजबान शहरों की घोषणा की।

उत्सुनोमिया, जापान (3–5 मई), को यूनिवर्सलिटी–संचालित ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट (यूओक्यूटी) की मेजबानी करेगा जबकि डेब्रेसेन, हंगरी (23–26 मई, 2024) को ओक्यूटी की मेजबानी करेगा।

फीबा प्रत्येक टूर्नामेंट में प्रति जेंडर एक कोटा स्थान के साथ दो यूओक्यूटी का आयोजन करेगा और पेरिस 2024 के लिए प्रति जेंडर तीन कोटा स्थानों के साथ एक यूओक्यूटी शामिल होगा।

30 जुलाई– 5 अगस्त, 2024 को पेरिस में ओलंपिक 3&3 बास्केटबॉल प्रतियोगिता में प्रति जेंडर आठ टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी।

पुरुष टीमों में सर्बिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन का नाम शामिल है। जबकि महिला टीमों में चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस को 1 नवंबर, 2023 तक उनकी विश्व रैंकिंग के आधार पर पहले ही पेरिस 2024 में बर्थ से सम्मानित किया जा चुका है।

3&3 बास्केटबॉल ने टोक्यो 2020 में अपनी शुरुआत की, जिसमें लातविया और संयुक्त राज्य अमेरिका ने क्रमशः पुरुष और महिला स्वर्ण पदक जीते।

एडिलेड स्ट्राइकर्स ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब, फाइनल मुकाबले में ब्रेस्बेन हीट को 3 रन से हराया

नई दिल्ली। महिला बिग बैश लीग के रोमांचक फाइनल में एडिलेड स्ट्राइकर्स ने ब्रेस्बेन हीट के 3 रन से हरा दिया। एडिलेड ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में गत चैंपियन स्ट्राइकर्स ने अपने खिताब का बचाव किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एडिलेड स्ट्राइकर्स ने 20 ओवर में 125 रन बनाए थे। लक्ष्य का बचाव करते हुए एडिलेड ने ब्रेस्बेन हीट को 20 ओवर में 122 रन पर रोक दिया। आखिरी ओवर में हीट को 13 रनों की जरूरत थी, ऐसे में मैच किसी भी तरफ जा सकता था।, लेकिन अंत में, अमांडा–जेड वेलिंगटन ने हीट बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया की वह मैच जीत सकें। वेलिंगटन ने 4 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वेलिंगटन को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। मेगन स्कट और ताहलिया मैकग्राथ को दो–दो विकेट मिले।

कप्तान ने खेली कप्तानी पारी

एडिलेड स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम की ओवर से कप्तान ताहलिया मैकग्राथ ने 38 और वोल्वार्ड्ट ने सर्वाधिक 39 रन की पारी खेली। ब्रिजेट पैटरसन ने 11 रन का योगदान दिया। इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं पार कर पाईं। स्ट्राइकर्स ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 125 रन बनाए। निकोला हैनकॉक को तीन विकेट मिले।

अमेलिया कर भी नहीं दिला सकीं जीत

छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ब्रेस्बेन हीट की शुरुआत ठीक रही। 32 के योग पर ग्रेस हैरिस का विकेट गंवाया। ग्रेस हैरिस ने 15 रन बनाए। जॉर्जिया रेडमायने 22 रन बनाकर आउट हुईं। अमेलिया कर ने नाबाद 30 रन बनाए। चार्ली नॉट ने 20 रन बनाकर कुछ देर तक जीत के लिए लड़ाई लड़ी। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिला सकीं। ब्रेस्बेन हीट ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 122 रन ही बना सकी।

भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ और उनकी पत्नी विजेता एकसाथ मैदान पर आए नजर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के हेड कोच और उनकी पत्नी विजेता को एकसाथ कर्नाटक और उत्तराखंड के बीच कूच बिहार ट्रॉफी में अपने बेटे समित को खेलते हुए देखा गया। राहुल द्रविड़ वर्ल्ड कप 2023 के बाद से अपने परिवार के साथ खुशनुमा समय बिता रहे हैं।

भारतीय टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में व्यस्त हैं, जिसमें वीवीएस लक्ष्मण कोच की भूमिका निभा रहे हैं। समित बतौर ऑलराउंडर खेल रहे हैं। पहले दिन की समाप्ति तक उन्होंने पांच ओवर में 2 मेडन सहित 11 रन खर्च किए। उनके हाथ सफलता नहीं लगी।\

उत्तराखंड ने पहले दिन 90 ओवर में 9 विकेट खोकर 232 रन बनाए। उत्तराखंड के कप्तान आरव महाजन ने 236 गेंदों में 18 चौके की मदद से 127 रन बनाए। समित ने कूच बिहार ट्रॉफी में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पहली पारी में 55 और दूसरी पारी में 2 रन बनाए थे। कर्नाटक ने यह मैच पांच विकेट से जीता था। वहीं, दिल्ली के खिलाफ उन्होंने 122 गेंदों में 51 रन बनाए थे, जिसमें कर्नाटक को शिकस्त मिली थी।

राहुल द्रविड़ का अनुबंध बढ़ा

बीसीसीआई ने हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 वर्ल्ड कप 2024 तक बढ़ा दिया है। द्रविड़ ने बीसीसीआई और अपने परिवार का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें व्यस्त क्रिक्रेट कार्यक्रम के बाद कुछ समय ब्रेक लेने की अनुमति दी। याद हो कि वर्ल्ड कप 2023 के बाद राहुल द्रविड़ का अनुबंध खत्म हो गया था।

दोनों बेटे क्रिक्रेटर

राहुल द्रविड़ के दो बेटे हैं, जो पेशेवर क्रिक्रेट खेल रहे हैं। इस साल 18 साल के हुए समित ने कर्नाटक के लिए वीनू मांकड ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। वहीं, द्रविड़ के छोटे बेटे अनवय को कर्नाटक अंडर–14 टीम का कप्तान बनाया गया था। पता हो कि राहुल द्रविड़ दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम के साथ दोबारा जुड़ेंगे।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com